क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल
दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

उत्तर: कुछ ईसाई सोचते हैं कि चिकित्सा उपचार या हर्बल उपचार लेना विश्वास की कमी है। लेकिन जब हम शास्त्र को देखते हैं, तो पाते हैं कि अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना न केवल स्वीकार्य है, बल्कि यह ईश्वर की व्यवस्था और बुद्धिमत्ता के अनुरूप भी है।

यीशु ने चिकित्सकों की भूमिका को स्वीकार किया

मार्कुस 2:17 में यीशु ने कहा:

“स्वस्थों को दवा की जरूरत नहीं, बल्कि बीमारों को है। मैं धर्मियों को नहीं, पापियों को बुलाने आया हूँ।”
(मार्कुस 2:17)

यीशु ने अपने मिशन को समझाने के लिए चिकित्सक की भूमिका का उदाहरण दिया, जिससे पता चलता है कि बीमारों का डॉक्टर से मदद लेना स्वाभाविक और सही है। ऐसा करके उन्होंने चिकित्सा देखभाल के महत्व को स्वीकार किया। अस्पताल जाना यह नहीं दर्शाता कि

क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल
दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

ईसाई में विश्वास की कमी है, बल्कि यह दिखाता है कि वे ईश्वर द्वारा उपलब्ध कराए गए साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

ईश्वर उपचार के लिए प्राकृतिक साधनों का उपयोग करते हैं

आज की कई दवाइयां उन पौधों से बनती हैं जिन्हें ईश्वर ने बनाया है। पुराने नियम में ईश्वर ने अपने लोगों को उपचार के लिए प्राकृतिक तत्वों का उपयोग करने का निर्देश दिया। उदाहरण के लिए:

“उनके फल भोजन के लिए होंगे, और उनके पत्ते चिकित्सा के
लिए।”
(येजेकियल 47:12)

“और उस वृक्ष के पत्ते देशों की चिकित्सा के लिए हैं।” (प्रकाशितवाक्य 22:2)

यह दिखाता है कि ईश्वर ने सृष्टि में उपचारात्मक गुण रखे हैं। नीम (म्वारोबाइन) या एलोवेरा जैसे हर्बल उपचारों का इस्तेमाल करना अनैतिक नहीं है; यह ईश्वर द्वारा दी गई बुद्धिमत्ता का

क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल
दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

उपयोग है, बशर्ते यह सही इरादों से और बिना किसी अधार्मिक रीति-रिवाज के किया जाए।

दवाओं को मूर्तिपूजा से जोड़ने से बचें

ईश्वर कड़ाई से उन उपचारों को मना करते हैं जो बाइबिल के विपरीत आध्यात्मिक प्रथाओं से जुड़े हों। जब कोई जानवर की बलि देने, जादू-टोना करने, मंत्रों का जाप करने या बिस्तर के नीचे जड़ी- बूटियां रखने जैसे रीति-रिवाजों में लिप्त हो जाता है, तो वह मूर्तिपूजा के क्षेत्र में आ जाता है। ये प्रथाएं पहले आज्ञा का उल्लंघन हैं:

“मेरे सिवा अन्य कोई देवता न रख।”
(निर्गमन 20:3)

“तुम में से कोई भी ऐसा न हो जो … भविष्य बताने या जादू टोना करने, शुभाशुभ चिन्ह पढ़ने, या जादू-टोना करने में लगा हो … जो ऐसा करता है, वह प्रभु को घृणित है।”
(व्यवस्थाविवरण 18:10-12)

क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल
दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

एक ईसाई को अपनी आस्था को अंधविश्वास या जादू-टोना के साथ नहीं जोड़ना चाहिए। हालांकि, घर पर जड़ी-बूटियां तैयार करना और यीशु के नाम पर प्रार्थना करना पूरी तरह स्वीकार्य है।

“जो कुछ तुम करो, शब्द से हो या कर्म से, सब कुछ प्रभु यीशु के
नाम से करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता को धन्यवाद दो।” (कुलुस्सियों 3:17)

बिना दवा के ही विश्वास से इलाज करना भी सही है

कुछ विश्वासी बिना किसी भौतिक साधन के, डॉक्टर के पास जाए बिना, पूरी तरह से ईश्वर की अलौकिक शक्ति पर विश्वास करते हैं। उनका विश्वास केवल परमेश्वर की शक्ति पर टिका होता है।

“वह हमारी कमजोरियों को अपने ऊपर लिया, और हमारी बीमारियों
को वह सहा।”
(मत्ती 8:17)

“प्रभु की प्रशंसा कर मेरी आत्मा … जो तुम्हारे सारे पाप

क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल
दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

क्षमा करता है और तुम्हारी सारी बीमारियां ठीक करता है।”
(भजन संहिता 103:2-3)

यह भी स्वीकार्य है, क्योंकि ईश्वर प्राकृतिक माध्यमों से भी और अपनी दिव्य शक्ति द्वारा भी उपचार कर सकते हैं। मुख्य बात यह है कि हर विश्वास वाला अपनी आस्था के अनुसार, डर या अंधविश्वास से नहीं, विश्वास में काम करे।

“जो कुछ विश्वास से नहीं होता, वह पाप है।”
(रोमियों 14:23)

निष्कर्ष:

चाहे अस्पताल हो, हर्बल उपचार हो या अलौकिक चिकित्सा, परमेश्वर सभी उपचारों का अंतिम स्रोत है। महत्वपूर्ण यह है कि हम उस पर भरोसा करें, विश्वास में काम करें, और ऐसा कुछ भी न करें जो उसकी महिमा को ठेस पहुँचाए।

“चाहे तुम खाना खाओ या पीओ, या जो कुछ भी करो, सब कुछ
परमेश्वर की महिमा के लिए करो।”

क्या एक ईसाई के लिए बीमार होने पर अस्पताल जाना या हर्बल दवाइयों का उपयोग करना उचित है?

(1 कुरिन्थियों 10:31)

आशीर्वादित रहें!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp